करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

(संग्रह)

अगस्त 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़

- बस्तर ओलंपिक को 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के रूप में राष्ट्रीय मान्यता 3
- दीपक किंगरानी ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता 3
- छत्तीसगढ़ में Ni-Cu-PGE भंडार की खोज 4
- छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना 6
- छत्तीसगढ़ में विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया गया 7
- छत्तीसगढ़ का गठन 9

दृष्टि The Vision

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

छत्तीसगढ़

बस्तर ओलंपिक को 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' के रूप में राष्ट्रीय मान्यता

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ में **खेल** और **स्वास्थ्य** क्षेत्रों से संबंधित दो **महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ** की गई हैं। **बस्तर ओलंपिक** को अब आधिकारिक रूप से '<u>खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स</u>' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है, जिससे इसे **राष्ट्रीय स्तर** का दर्जा प्राप्त हो गया है।

मुख्य बिंदु

- **आदिवासी खेलों को प्रोत्साहन:**
  - <u>खेलो इंडिया योजना</u> में "ग्रामीण और पारंपरिक/जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने" के लिये एक समर्पित घटक शामिल है।
  - इस घटक के अंतर्गत अब तक **मल्लखंभ**, <u>कलारीपयट्टु</u>, **गतका**, **थांग-ता**, <u>योगासन</u> और **सिलंबम** जैसे पारंपरिक खेलों को बढ़ावा दिया गया है।
- **खेलो इंडिया योजना**
  - इस योजना की शुरुआत वर्ष 2016-17 में भारत में खेलों में **जन सहभागिता** एवं **श्रेष्ठता** को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी।
  - इस योजना को वर्ष 2025-26 तक विस्तारित किया गया है, जिसके लिये **3,790.50 करोड़ रुपए** का वित्तीय परिव्यय निर्धारित किया गया है।
  - यह योजना देशभर में **खेल अवसंरचना के विकास**, **प्रतियोगिताओं के आयोजन**, **प्रतिभा की पहचान** तथा **खेल अकादमियों** को सहयोग प्रदान करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करती है।
  - यह योजना **महिलाओं**, **विकलांगजन** तथा **पारंपरिक/आदिवासी खेलों** के माध्यम से **समावेशिता** को भी बढ़ावा देती है। इसके प्रमुख घटकों में शामिल हैं:
    - **फिट इंडिया मूवमेंट:** खेल मैदानों एवं कोचिंग प्रणाली का विकास
    - स्कूली बच्चों के लिये **राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता अभियान**

दीपक किंगरानी ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ के **बलौदाबाज़ार-भाटापारा ज़िले के रहने वाले दीपक किंगरानी** को वर्ष 2023 के सर्वश्रेष्ठ संवाद लेखन के लिये <u>राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार</u> से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **इंजीनियर दीपक किंगरानी** सिनेमा के प्रति अपने **शौक** को पूरा करने के लिये **मुंबई चले गए** और अंततः **फिल्म उद्योग में पहचान** अर्जित की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- उनकी लिखित फिल्म **'सिर्फ एक बंदा काफी है'** को **राष्ट्रीय पुरस्कार** में **सर्वश्रेष्ठ फिल्म** के लिये भी नामांकित किया गया था।
- **'स्पेशल ऑप्स' (2020)** ने किंगरानी को उनके करियर में एक **नई दिशा** दी, जिससे उन्हें **लगातार सफलता** मिली।
- उन्हें **'मिशन रंजनगंज'** (2023) और **भैया जी'** (2024) की **पटकथा** का भी श्रेय दिया जाता है।
- **संवाद लेखक** के रूप में उनकी पहली फिल्में **वॉर छोड़ ना यार** (2013) और **पागलपंती** (2019) थीं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2023

- वर्ष 2023 के लिये भारत की सिनेमाई उत्कृष्टता को सम्मानित करने हेतु **71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों** की आधिकारिक घोषणा की गई।
  - राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का आयोजन **भारत सरकार** की ओर से **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** के माध्यम से किया जाता है।
- वर्ष 2023 के संस्करण में **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के नियमों** के तहत क्षेत्र का विस्तार करते हुए कुल **31 फीचर फिल्में**, **24 गैर-फीचर फिल्में**, **सिनेमा पर 27 पुस्तकें** तथा **16 फिल्म समीक्षकों** को सम्मिलित किया गया।
- **पुरस्कार श्रेणियाँ:** ये वार्षिक पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों में प्रदान किये जाते हैं— **फीचर फिल्म**, **गैर-फीचर फिल्म**, **सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ लेखन** तथा **दादा साहेब फाल्के पुरस्कार**।
- **शीर्ष राष्ट्रीय विजेता:**

वर्ग	विजेता
सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म	12वीं फेल
सर्वश्रेष्ठ निर्देशन	सुदीप्तो सेन - द केरल स्टोरी
सर्वश्रेष्ठ अभिनेता	शाहरुख खान (जवान), विक्रांत मैसी (12वीं फेल)
सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री	रानी मुखर्जी - मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे
राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फिल्म	सैम बहादुर

छत्तीसगढ़ में Ni-Cu-PGE भंडार की खोज

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के **महासमुंद ज़िले** में **निकल, ताँबा और प्लैटिनम समूह तत्त्वों (Ni-Cu-PGE)** का एक महत्त्वपूर्ण भंडार खोजा गया है।

मुख्य बिंदु

- **खोज के बारे में:**
  - **डेक्कन गोल्ड माइंस लिमिटेड (DGML)** को छत्तीसगढ़ में **भालूकोना-जमनीडीह ब्लॉक** के लिये 30 वर्ग किमी का कंपोजिट लाइसेंस प्रदान किया गया, जिससे अन्वेषण और खनन की अनुमति मिल गई।
  - **माफिक-अल्ट्रामैफिक चट्टान** संरचनाओं के भीतर 700 मीटर विस्तृत खनिज क्षेत्र की पहचान की गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भू-भौतिकीय सर्वेक्षणों से 300 मीटर गहराई तक **सल्फाइड खनिज** की उपस्थिति का पता चलता है, जो **पर्याप्त संसाधन क्षमता** का संकेत देता है।

- **अन्वेषण प्रक्रिया:**
  - भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) ने इस क्षेत्र में G4-स्तरीय अन्वेषण किया था और निकल, क्रोमियम तथा PGE के संकेतों की पहचान की है।
  - इन निष्कर्षों की बाद में **छत्तीसगढ़ भूविज्ञान एवं खनिज निदेशालय** (DGM) द्वारा पुष्टि की गई, जिसके पश्चात् इस खंड की ई-नीलामी करवाई गई।

- **महत्त्व:**
  - इस महत्त्वपूर्ण खनिजों की खोज से आत्मनिर्भर भारत पहल को विशेष रूप से आगे बढ़ाने, प्रमुख संसाधनों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने तथा महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सतत विकास के लिये भारत के रणनीतिक लक्ष्यों को समर्थन मिलेगा।
  - निकल और PGE जैसे खनिजों की खोज हरित तथा **उच्च तकनीक प्रौद्योगिकियों** की ओर वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो भविष्य के नवाचार एवं औद्योगिक विकास के लिये आवश्यक सामग्री प्रदान करती है।

- **छत्तीसगढ़ की खनिज नीलामी**
  - राज्य सरकार द्वारा अब तक ग्रेफाइट, निकल, क्रोमियम, PGEs, लिथियम, ग्लॉकोनाइट, फॉस्फोराइट, ग्रेफाइट-वैनाडियम जैसे महत्त्वपूर्ण खनिजों वाले 51 खनिज खंडों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है।
  - इसके अतिरिक्त, **केंद्रीय खनन मंत्रालय** के अधीन छह टिन ब्लॉक नीलामी की प्रतीक्षा में हैं।
  - **छत्तीसगढ़ भूविज्ञान एवं खनिज निदेशालय** (DGM) ने शैक्षणिक, अनुसंधान और उद्योग संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने के लिये एक **महत्त्वपूर्ण खनिज प्रकोष्ठ** (Critical Mineral Cell) की स्थापना की है।
  - इस पहल का उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और महत्त्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण को सुव्यवस्थित करना है।

- **प्लैटिनम समूह तत्त्व (PGEs)**
  - PGE छह **धातु तत्त्वों** का एक समूह है- **प्लैटिनम** (Pt), **पैलेडियम** (Pd), **रोडियम** (Rh), **रूथेनियम** (Ru), **ऑस्मियम** (Os) और **इरिडियम** (Ir)।
  - ये तत्त्व आम तौर पर खनिज निक्षेपों में एक साथ पाए जाते हैं तथा अक्सर मैफिक और अल्ट्रामैफिक चट्टानों में पाए जाने वाले निकल तथा ताँबे के निक्षेपों के साथ या उनके उप-उत्पादों के रूप में जुड़े होते हैं।
  - प्रमुख **Ni-Cu-PGE भंडार दक्षिण अफ्रीका**, **रूस** और **कनाडा** जैसे स्थानों में खनन किये जाते हैं।
  - **महत्त्व:**
    - Ni-Cu-PGE भंडार वैश्विक स्तर पर अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि ये उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिये अनिवार्य हैं।
    - **निकल** का उपयोग स्टेनलेस स्टील **और उच्च-शक्ति मिश्रधातुओं** के निर्माण में होता है।
    - **विद्युत अवसंरचना** के लिये **ताँबा** महत्त्वपूर्ण है।
    - **उत्प्रेरक कन्वर्टर्स** (वाहनों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये), **इलेक्ट्रॉनिक्स**, **चिकित्सा उपकरण** और **आभूषणों** के निर्माण में PGE अपरिहार्य हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इनका सामरिक महत्त्व बढ़ता ही जा रहा है, क्योंकि ये इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में भी मूलभूत घटक हैं।

छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना

चर्चा में क्यों?

महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिलाओं को **आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाकर** उनके जीवन में महत्त्वपूर्ण बदलाव ला रही है।

- वर्तमान में, राज्य में **69.19 लाख से अधिक महिलाएँ** इस पहल से लाभान्वित हो रही हैं।

मुख्य बिंदु

महतारी वंदन योजना के बारे में:

- **उद्देश्य:** महतारी वंदन योजना का उद्देश्य लैंगिक भेदभाव, असमानता को दूर करके, स्वास्थ्य और पोषण के स्तर में सुधार करके, आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देकर तथा परिवारों में महिलाओं की **निर्णय लेने** की भूमिका को मज़बूत करके महिलाओं को सशक्त बनाना है।
  - इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ में महिलाओं के **समग्र विकास** और कल्याण पर दीर्घकालिक प्रभाव डालना है।
- **शुभारंभ:** यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा **मार्च 2024** में शुरू की गई थी।
- **पात्रता मापदंड:**
  - विवाहित महिलाएँ जो छत्तीसगढ़ की स्थानीय निवासी हैं।
  - महिलाओं की आयु कम-से-कम **21 वर्ष** होनी चाहिये।
  - विधवाएँ, तलाकशुदा महिलाएँ और परित्यक्त महिलाएँ भी इस योजना के लिये पात्र हैं।
- **प्रदान की गई सहायता:**
  - पात्र महिलाओं को DBT (प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण) के माध्यम से प्रति माह **1000 रुपए** प्राप्त होंगे।
  - सामाजिक सहायता कार्यक्रमों या विभिन्न पेंशन योजनाओं से 1000 रुपए से कम राशि प्राप्त करने वाली महिलाओं को शेष राशि प्रदान की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें 1000 रुपए प्राप्त हों।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5), 2020-21 के अनुसार छत्तीसगढ़ में महिला स्वास्थ्य की स्थिति

- **सामान्य से कम BMI (<18.5 किग्रा/मी^{2}):**
  - छत्तीसगढ़ में 15-49 वर्ष आयु वर्ग की **23.1 प्रतिशत महिलाएँ** ऐसी हैं, जिनका **बॉडी मास इंडेक्स (BMI)** सामान्य स्तर से नीचे है।
- **एनीमिया की व्यापकता:**
  - **सभी महिलाओं (15-49 वर्ष) में** लगभग **60.8 प्रतिशत** महिलाएँ एनीमिया से ग्रस्त हैं।
  - **गर्भवती महिलाओं (15-49 वर्ष) में** लगभग **51.8 प्रतिशत महिलाएँ** एनीमिया की समस्या से प्रभावित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

छत्तीसगढ़ में विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया गया

चर्चा में क्यों?

10 अगस्त, 2024 को **छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण (CBDA)** ने दुर्ग ज़िले के गोरही गाँव में विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया।

- इस कार्यक्रम में हरित ऊर्जा, ग्रामीण सहभागिता और **जैव ईंधन संवर्द्धन** पर प्रकाश डाला गया, जिसमें CBDA ने गैर-खाद्य तिलहनों तथा प्रयुक्त खाना पकाने के तेल से सफलतापूर्वक **जैव-डीज़ल** का उत्पादन किया तथा **जैव-जेट ईंधन**, **बायो-इथेनॉल** और हरित हाइड्रोजन के लिये भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

विश्व जैव ईंधन दिवस के बारे में:

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य गैर-जीवाश्म ईंधनों को सतत ऊर्जा विकल्प के रूप में प्रोत्साहित करने तथा जैव ईंधन उद्योग को बढ़ावा देने हेतु सरकारी पहलों को उजागर करना है।
  - यह दिन 9 अगस्त,1893 में को जर्मन इंजीनियर सर रुडोल्फ डीज़ल द्वारा मूंगफली के तेल पर इंजन के सफल संचालन की याद में मनाया जाता है।
- **वर्ष 2025 का विषय: "जैव ईंधन: नेट ज़ीरो की ओर एक सतत् मार्ग"**

जैव ईंधन:

- **परिचय:**
  - जैव ईंधन पौधों के बायोमास या पशु अपशिष्ट से प्राप्त ईंधन हैं, जो अक्षय ऊर्जा स्रोत माने जाते हैं। सामान्य जैव ईंधनों में शामिल हैं:
    - इथेनॉल: मक्का एवं गन्ने जैसे फसल अवशेषों के किण्वन से तैयार किया जाता है, जिसे पेट्रोल के साथ मिलाकर उत्सर्जन कम किया जाता है। सामान्य मिश्रण *E-10* (10% एथेनॉल) है।
    - **जैव-डीज़ल:** प्रयुक्त खाना पकाने के तेल, पुनर्नवीनीकृत ग्रीस या पशु वसा से उत्पादित एक जैव-निम्नीकरणीय ईंधन, जो तेल या वसा को अल्कोहल और उत्प्रेरक के साथ अभिक्रिया करके बनाया जाता है।
- **महत्त्व:**
  - **पर्यावरणीय लाभ:** ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, संसाधनों का संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार।
  - **ऊर्जा सुरक्षा:** 85% से अधिक तेल आयातित होने के कारण जैव ईंधन भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा सकता है।
  - **आर्थिक लाभ:** जैव ईंधन तेल आयात को कम कर सकता है तथा कृषि आय में वृद्धि कर सकता है, विशेष रूप से **मक्का और गन्ना जैसी अधिशेष** फसलों से।
  - **प्रचुर उपलब्धता:** जैव ईंधन का उत्पादन फसलों, अपशिष्ट और शैवाल से किया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- भारत विश्व का **तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता** (अमेरिका और चीन के बाद) है।
- भारत का लक्ष्य वर्ष 2025 तक **20% इथेनॉल मिश्रण** हासिल करना है।
- पहली 2G इथेनॉल परियोजना का उद्घाटन वर्ष 2022 में हरियाणा के **पानीपत** में किया गया।
  - 2G इथेनॉल एक जैव ईंधन है, जो कृषि अवशेषों और अपशिष्ट जैसे गैर-खाद्य स्रोतों से उत्पादित होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

छत्तीसगढ़ का गठन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के **25 वर्ष पूरे होने पर** रजत जयंती मना रहा है। इस उपलक्ष्य में, **जनसंपर्क विभाग ने** रायपुर में एक फोटो प्रदर्शनी और **क्विज़ प्रतियोगिता** का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

छत्तीसगढ़ के बारे में:

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **इतिहास:**
  - छत्तीसगढ़ का इतिहास **चौथी शताब्दी ईस्वी** से शुरू होता है, जब इसे **दक्षिण कोसल** के नाम से जाना जाता था।
  - "छत्तीसगढ़" नाम का अर्थ है "**छत्तीस किले**", जो रतनपुर की **हैहया वंशीय परंपरा** से संबंधित है।
  - 9वीं से 18वीं शताब्दी तक इस क्षेत्र पर *कलचुरी वंश* का शासन रहा, जिसकी राजधानी रतनपुर थी।
- **राज्य के रूप में गठन:**
  - छत्तीसगढ़ का गठन 1 नवंबर, 2000 को मध्य प्रदेश से अलग करके किया गया था।
  - इसकी राजधानी रायपुर है, जबकि नया रायपुर (अटल नगर) को आधुनिक स्मार्ट शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- **भौगोलिक महत्त्व:**
  - 135,192 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ यह भारत का **9वाँ सबसे बड़ा राज्य** है।
  - यह राज्य प्राकृतिक संसाधनों, विशेष रूप से कोयला, लौह अयस्क और बॉक्साइट से समृद्ध है, जो इसे विद्युत, इस्पात तथा सीमेंट उद्योगों का एक प्रमुख केंद्र बनाता है।
  - छत्तीसगढ़ को अपने उच्च **चावल उत्पादन** के कारण 'भारत का धान का कटोरा' भी कहा जाता है।
  - राज्य के **40% से अधिक भू-भाग पर** वन क्षेत्र फैला हुआ है।

छत्तीसगढ़ के अन्य मुख्य तथ्य

- **कर्क रेखा** और भारतीय मानक समय (IST) दोनों देशांतर रेखाएँ छत्तीसगढ़ से होकर गुजरती हैं तथा इनका प्रतिच्छेदन (Intersection) *सूरजपुर ज़िले* में स्थित है।
- भारतीय मानक समय मध्याह्न रेखा छत्तीसगढ़ के कई जिलों से होकर गुजरती है, जिनमें **सूरजपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाज़ार, महासमुंद, गरियाबंद और बालोद** शामिल हैं।
- भारत की मानक मध्याह्न रेखा अन्य राज्यों से भी होकर गुजरती है, जैसे उत्तर प्रदेश (मिर्ज़ापुर, गाँव खरावदा), मध्य प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश।
- कर्क रेखा 23° 26′ उत्तरी अक्षांश पर स्थित है और आठ भारतीय राज्यों से होकर गुजरती है: **गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा** तथा **मिज़ोरम**।
- छत्तीसगढ़ में कर्क रेखा **कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर** ज़िलों से होकर गुजरती है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME